AMAR UJALA MY CITY Page 3 & 5

स्वकेंद्र में पांच-पांच परीक्षार्थियों के लिए बनाना होगा सेंटर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में लॉकडाउन के बाद होने वाली परीक्षा में पांच-पांच परीक्षार्थियों के लिए भी केंद्र बनाना पड़ सकता है। संबंधित कॉलेजों, विशेषकर एमएससी पाठ्यक्रम में दस से भी कम दाखिले हैं। ऐसे में छोटे-छोटे परीक्षा केंद्र बनाने होंगे।

इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर वेब कैमरे लगाने तथा डिबार कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाने जैसी कई अन्य चुनौतियों का सामना भी करना पड़ेगा। लविवि ने लॉकडाउन के बाद परीक्षा आयोजन के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसने स्वकेंद्र प्रणाली से परीक्षा की सिफारिश की है। विवि से सहयुक्त 170 कॉलेज हैं। समिति की सिफारिशों के अनुसार परीक्षा का आयोजन तीन पालियों में होना है। ऐसे में रोजाना प्रश्नपत्र पहुंचाना चुनौती होगा।

वेब कैमरे की व्यवस्था पर संकट

शासन के निर्देश के अनुसार सभी परीक्षा वेब कैमरे की निगरानी में होनी हैं। लविवि जिन कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाता है वहां पर तो वेब कैमरे लगाये जा चुके हैं। स्वकेंद्र प्रणाली पर परीक्षा होने पर सभी कॉलेजों में वेब कैमरे की व्यवस्था करनी होगी। इतने कम समय में सभी कॉलेजों में वेब कैमरे लगवाना फिलहाल संभव नहीं लगता है। इसलिए यह भी एक कड़ी चुनौती साबित होने वाला है।

> स्वकेंद्र प्रणाली पर गाइडलाइन मिली है। जिन कॉलेजों में बेहद कम परीक्षार्थी होंगे उन्हें अगल-बगल के कॉलेज में समायोजित करने पर विचार किया जा सकता है। डिबार कॉलेज के संबंध में निर्णय परीक्षा समिति लेगी। वेब कैमरे अगर लगवाना संभव नहीं होगा तो फिर ऑब्जर्वर लगाकर परीक्षा कराई जाएगी। -डॉ. **दुर्गेश श्रीवास्तव,** प्रवक्ता, लविवि

आईपीपीआर कराएगा इंटर्नशिप

लखनऊ। लखनऊ विवि का सूचना, प्रकाशन और जनसंपर्क संस्थान अब पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप भी कराएगा। विवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन में से योग्य अभ्यर्थी का चयन समिति करेगी।

HINDUSTAN Page 6

शिक्षा हुई ऑनलाइन बने सैकड़ों प्लेटफॉर्म

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन ने शिक्षा के पूरे स्वरूप को ही बदल दिया है। क्लासरूम स्टडी से लेकर स्कूल कॉलेजों में होने वाली बैठकें भी अब ऑनलाइन हो रही हैं। उच्च शिक्षा ही नहीं बल्कि नर्सरी और प्राइमरी स्कूलों में भी जूम, गूगल क्लासरूम के सहारे पढ़ाई की जा रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहली बार अपने 1.60 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं के लिए ई-लर्निंग कंटेंटवेबनार के माध्यम से अहम मुद्दों पर चर्चाएं की जा रही हैं। शहर के सरकारी और एडेड डिग्री कॉलेजों में भी ऑनलाइन क्लासेज की शुरुआत की गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि ऑनलाइन क्लासेज भविष्य हैं और लखनऊ के शिक्षण संस्थानों ने इन 50 दिनों में इसे अपनाकर उसके हिसाब से अपने आप को ढाल भी लिया है।

बदला पढ़ाई का तरीका

लविवि

3000 3000 से ज्यादा ई-कंटेंट उपलब्ध कराए विभागों के

4000 छात्रों-शिक्षकों के लिए ई-लाइब्रेरी का लॉगिन बनाया

50 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वेबनार

TOI Page 2

Webinars bring experts to LU colleges

Lucknow: Webinars were organized in two LU colleges on happiness and stress management in times of Covid-19.

Mahila Vidyalaya Degree College organised a webinar titled 'Overcoming the Stress Disease Connection - A Practical Approach', said principal Nisha Gupta while at Shri Guru Nanak Girls Degree College, the webinar's theme was 'The Pathway of Happiness - A Practical Approach', said principal Surbhi G Garg on Monday. Both webinars were held in association with LU's Counselling & Placement Cell in the presence of its director Prof Madhurima Lall.

Guest speaker for both webinars, Prof Anil Mishra from LU's chemistry department. Meanwhile, a webinar on minority rights and Constitution was also held for students of Shia PG Law College . Vice-chancellor NALSAR Law University Hyderabad Prof Faizan Mustafa talked about protection of minority rights.

NBT Page 6

'चिंता देती है कई बीमारियों को जन्म'

■ **एनबीटी, लखनऊ :** महिला डिग्री कॉलेज में एलयू के काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को वेबिनार हुआ। इसमें मुख्य वक्ता एलयू के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. अनिल मिश्रा ने चिंता की वजह से होने वाली बीमारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि चिंता कई बीमारियों को जन्म देती है। सुझाव दिया कि किसी भी समस्या को सोचने से अच्छा है उसके समाधान के बारे में सोचें। वेबिनार में प्रिंसिपल निशा गुप्ता और काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की डायरेक्टर डॉ. मधुरिमा लाल भी शामिल हुईं।